अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 8 मई 2023
ज्येष्ठ कृष्ण-तृतीया
विक्रम संवत-2080

Page No. 08 : Middle

गजल में गुरु-शिष्यों ने बांधा समां

रिद्धिमा में गजल की प्रस्तुति देते गुरु व शिष्य। *संवाद*

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम गजलों को नाम रही। गुरु स्नेह आशीष दुबे के साथ शिष्यों की जुगलबंदी ने समां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ चुपके-चुपके रात-दिन... की इंस्ट्रूमेंटल प्रस्तुति से हुआ। विद्यार्थियों ने तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो व होश वालों को खबर क्या... से मंच संभाला। रजनी अग्रवाल और गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे ने विद्यार्थियों के साथ प्रस्तुति दी। एसआरएमएस ट्रस्ट से डॉ. अनुज कुमार ने वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी गाकर सभी को भावुक कर दिया। वंदना दुग्गल खन्ना ने साहिर लुधियानवी की प्रसिद्ध गजल तुम अपना रंज-ओ-गम अपनी परेशानियां... को स्वर दिए। श्रबोनी भट्टाचार्य, इंदू परडल, गुरु आयुषी मजूमदार ने भी अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं की तालियां बटोरीं। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक,व चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ.रीटा शर्मा मौजूद रहीं। संवाद